मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न विषयों पर आधारित, बच्चों के लिए उपयोगी,
ज्ञानवर्धक एवं रूचिपूर्ण बाल कविताओं का संग्रह

बाल साहित्य सृजन

माह - जनवरी 2024

#9458278429

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

01/01/2024 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 खीर

चावल घी में थोड़ा भूनो,
दूध डालकर खूब पकाओ।
चीनी, पिस्ता, काजू, मेवे,
मखाने काटकर इसमें मिलाओ।।

बनती मीठी खीर है ऐसे,
बच्चों! खाकर मजे उड़ाओ।
पायसम, पायस नाम अन्य हैं,
सबको खिलाओ, खुद भी खाओ।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 मालपुआ

मालपुआ है बिहारी भोजन,
आटा दूध में मथकर के।
मसले केले डालें उसमें,
बनाते घी में तलकर के।।

डालें उसे चाशनी में फिर,
मीठी पर्त जमा होती।
मुँह में खाते ही पिघले यह,
अति स्वादिष्ट बहुत लगती।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

3 हलवा

मीठा हलवा तो सबको भाता,
खोया, मेवा उसमें डाला जाता।
बच्चे-बड़े सभी खुश हो जाएँ,
स्वादिष्ट हलवा जब सामने आये।।

सूजी, बेसन और गाजर,
हलवा किसी चीज का खाओ।
सर्दी हो या गर्मी का मौसम,
या त्योहार में इसको बनाओ।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4 सिंवई

मैदे से बनती सिंवई,
दूध में डाल पकाते है।
पक कर गाढ़ी हो जाये,
चीनी और मेवा मिलाते है।।

सबके मन को भाती है,
पोषण यह दिलाती है।
खाते हैं जब सिंवई,
याद ईद की आती है।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

02-01-2023

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1 टेलीविजन

टी० वी० प्रसारण का माध्यम,
दूर-संचार की प्रणाली है।
'ब्लैक एण्ड व्हाइट' और रंगीन,
चलचित्र से दिखानेवाली है।।

परदे पर नाटक, पिक्चर,
देश-विदेश की जानकारी।
समाचार, ऐतिहासिक चैनल,
घटनाएँ दिखलाते सारी।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2 कंप्यूटर

एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन,
जो कम्प्यूटर है होता।
निर्धारित आँकड़ों पर,
परिणाम को है देता।।

आविष्कार सन् 1642 में,
किया 'ब्लेज पास्कल' ने।
जो बहुत ही लोकप्रिय हुआ,
कम्प्युटर आज के युग में।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3 रेडियो

है शरीर काला मेरा,
बटन हैं दो-दो लगे हुए।
बड़े बटन से चैनल बदले,
आवाज छोटे से घटे-बढ़े।।

युववाणी, चौपाल, चित्रपट,
आकाशवाणी हमें सुनाये।
विविध भारती और एफ०एम०,
रेडियो संग सब गुनगुनाएँ।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4 मोबाइल

जब से बना है मोबाइल,
सबका बदला है स्टाइल।
जेब में जैसे पूरा संसार,
छोटा है इसका आकार।।

झटपट सबसे बात कराता,
शॉपिंग, ऑनलाइन कराता।
मनोरंजन होता है भरपूर,
लगता नहीं कोई अब दूर।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

बाल साहित्य सृजन

1

टेलीविजन

जॉन लोगी बेर्यड टेलीविजन,
के जनक है कहलाते।
सूचना और मनोरंजन साथ,
पुस्तक ज्ञान समझाते।।

दूर संचार माध्यम टेलीविजन,
चित्र के साथ ध्वनि का संतुलन।
टेलीविजन ने फैलाया ज्ञान,
यह विज्ञान अविष्कार महान।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

टेलीफोन

टेलीफोन पर बात करके,
एक-दूसरे से सम्पर्क करते।
ग्राहमबेल टेलीफोन के,
अविष्कारक कहलाते।।

टेलीफोन से दूरियाँ मिटती,
जीवन को आसान बनाते।
ट्रिंग ट्रिंग की घंटी जब बजती,
हैलो बोलकर फोन हम उठाते।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

फाउन्टेन पेन

फाउन्टेन पेन का अविष्कार,
लेखन दुनिया का चमत्कार।
वाटरमैन की है अनोखी देन,
अमेरिका मे बना पहला पेन।।

लेखन करना हुआ आसान,
पेन रखने वाले की थी शान।
इसने दिलायी नयी पहचान,
वाटरमैन को हमारा सलाम।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

विद्युत बल्ब

थॉमस अल्वा एडिसन ने,
विद्युत बल्ब है बनाया।
अविष्कार यह करके,
जग में परचम लहराया।।

रोशन कर दिए सबके घर बाहर,
अंधियारे को दूर भगाया।
पढ़ाई लिखाई में हुई सुविधा,
मानो सबका जीवन चमकाया।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

04/01/2024 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

फोन

विज्ञान ने देखो जीवन में,
करें हैं कितने आविष्कार।
इन सारे अविष्कारों में,
फोन भी एक चमत्कार।।

जिससे दूर देश के व्यक्ति,
आपस में जुड़ जाते हैं।
इक दूजे का हाल जानते,
आपस में बतियाते हैं।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

कम्प्यूटर

राजू एक कम्प्यूटर लाया,
मिंटू का भी मन ललचाया।
की-बोर्ड व सी.पी.यू. के संग,
साथ में एक माउस भी लाया।।

हर प्रकार की जानकारी देता,
गूगल भी इसमें है चलता।
कोई भी दफ्तर हो अब तो,
इसके बिना कोई काम ना चलता।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

टेलीविज़न

घर बैठे हमें सैर कराता,
पल, भर में दुनिया घुमता।
खेल,तमाशे, कार्टून दिखाता,
मनोरंजन के चैनल है लाता।।

नदी, पहाड़, झरने दिखाता,
देश-विदेश की संस्कृति दिखाता।
समाचारों का करता आदान-प्रदान,
मूवी, मस्ती, गाने, यह खूब दिखता।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

बल्ब

एक बटन से हो जाता,
जगमग जगमग उजाला।
एडीसन ने बनाकर बल्ब,
जैसे जादू है कर डाला।।

फिलामेंट होता गरम,
फिर करंट से जलता।
छोटा बल्ब, बड़ा बल्ब,
कई आकार में ये मिलता।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

05/01/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

विज्ञान के आविष्कार

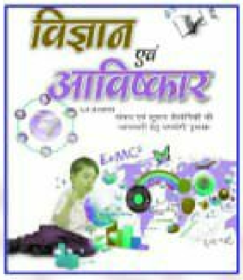

विज्ञान ने किए हैं जग में,
कितने ही आविष्कार।
तोहफे दिये हैं इसने,
हम सबको मजेदार।।

टीवी, फ्रिज, कंप्यूटर,
हवाई जहाज या कार।
वैज्ञानिकों ने छेड़ दिए हैं,
अंतरिक्ष में भी तार।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

विज्ञान की देन

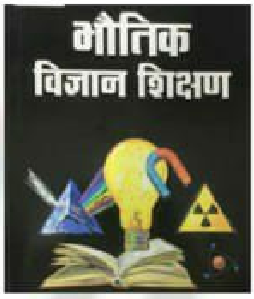

नित-नित नये प्रयोग,
यह ही तो विज्ञान है।
जीवन में इनका उपयोग,
सबके लिए वरदान है।।

टी०वी० और कम्प्यूटर ने,
जीवन को आसान बनाया।
परिवहन के साधनों ने,
प्रौद्योगिकी को बढ़ाया।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

विज्ञान

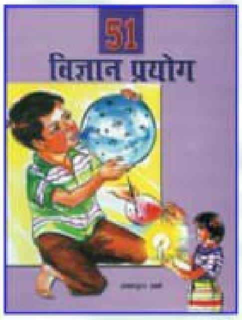

विज्ञान से हो रहे नित,
नये-नये अविष्कार हैं।
संसार में हर एक जगह
विज्ञान के चमत्कार हैं।।

रेडियो, टीवी और इन्टरनेट ने,
पल-पल की खबरें पहुँचायी है।
विज्ञान से सभी के जीवन मे,
एक नयी क्रान्ति आयी है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

नये-नये आविष्कार

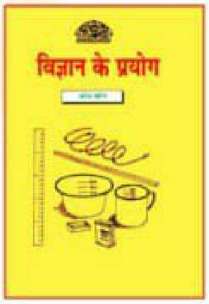

जैसे-जैसे बढ़ी आवश्कतायें,
विज्ञान ने किए नये अविष्कार।
आना-जाना अब हुआ सुगम,
सड़कों पर दौड़ी मोटर-कार।।

टीवी, मोबाइल, इन्टरनेट से,
मिलता हर पल का समाचार।
पढ़ने में करते जब इन्हें प्रयोग,
सफल होते नये-नये नवाचार।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

· आओ हाथ से हाथ मिलाएं · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

06.01.2024 **शनिवार**

बाल साहित्य सृजन

1

हीटर

सर्द हवा ने डेरा डाला,
कांपे दांत पड़े है पाला।
ठण्डी सबको बहुत सताय,
मिलकर कुछ करो उपाय।।

चलो एक हीटर लें आएं,
जाड़े को हम मार भगाएं।
हीटर से अब ले लो ताप,
राहत मिली खुश हो आप।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट पू० मा० वि० खजनी
(रूद्रपुर),गोरखपुर

2

बल्ब

अंधेरे में है उजाला लाए,
बल्ब हमेंशा आस जगाए।
बाजार में कई बल्ब आए,
मेरे पापा सी एफ एल लाए।।

एल ई डी खूब धूम मचाए,
बिजली जो बचत कराए।
हर घर में ये बल्ब हैं आए,
एडिसन ने बल्ब बनाए।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3

गीजर

सर्दी का मौसम है आया,
मम्मी ने गीजर लगवाया।
सर्द हवाएं ठंडा पानी,
मीनल का था दिल घबराया।।

पानी ठंडा इतनी सर्दी,
कैसे नहाऊँगी मैं मम्मी।
मम्मी बोली बेटा मीनल,
स्नानगृह में लगा है गीजर।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

ए सी

जब गर्मी खूब सताती,
ए.सी. की याद तभी आती।
गर्म हवा को ठंडा करता,
गर्मी से राहत सबको देता।।

एयर कंडीशनर कहते इसको,
रिमोट से सेट करते इसको।
फ्रीऑन गैस का प्रयोग होता,
पर्यावरण भी प्रदूषित होता।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०अमौली
अमौली, फतेहपुर

08/01/2024 सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1 मोबाइल

विज्ञान की एक अद्भुत,
प्रभावी खोज है मोबाइल।
सीमित हो उपयोग, अति,
लाभकारी है मोबाइल।।

देश-दुनिया की सारी बातें,
बताता है हमें मोबाइल।
नयी टेक्नोलॉजी से परिचित,
कराता है हमें मोबाइल।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2 टैबलेट

वायरलेस एक उपकरण टैबलेट,
कम्प्यूटर का छोटा रूप।
लैपटॉप से छोटा, हल्का,
होता मोबाइल का प्रतिरूप।।

पहला टैबलेट अमेरिका के,
एलेन के० ने था बनाया।
मनोरंजन, व्यवसाय, शिक्षा,
सभी क्षेत्रों में प्रयोग आया।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3 टेलिविज़न

टेलिविज़न को टी० वी० कहते,
सभी देखते हैं घर में।
ज्ञान, मनोरंजन का साधन,
और पढ़ाई हो घर में।।

सब कुछ टी० वी० पर आता है,
जो भी तुम्हें देखना हो।
ज्योतिष, धर्म, न्यूज की खबरें,
फिल्में, नाटक लखना हो।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

4 लैपटॉप

कम्प्यूटर का छोटा रूप,
लैपटॉप में होती सुविधा खूब।
कहीं भी चाहे इसे ले जाओ,
कोई भी गणना इससे कराओ।।

छोटे आकार में इसको लाओ,
एक बैटरी से इसे चलाओ।
फॉर्म भरो या फिल्म दिखाओ,
ऑडियो, वीडियो इसमें बनाओ।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

09-01-2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1 टिल्लू पम्प

पानी भरना हुआ आसान,
कितना कठिन था काम।
छत के ऊपर पानी ले जाना,
हर कोने में पानी पहुँचाना।।

जब से टिल्लू-पम्प बनाया,
तेज धार से पानी आया।
वाटर मोटर इसका नाम,
छोटी मशीन बहुत आती काम।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

2 सबमर्सिबल

आजकल हर, घर में,
सबमर्सिबल है आम।
गहराई से भेजना पानी,
इसका प्रमुख है काम।।

कई फुट जमीन के नीचे,
पहले बोरिंग कराते।
पाइप जमाकर गड्ढ़े में,
सबमर्सिबल मोटर लगाते।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3 नल/टौंटी

नल से पानी आता,
टौंटी से बनती धार।
तब जाकर पानी,
बर्तन में लेता आकर।।

प्लास्टिक, लोहे से बने,
टौंटी का आकार।
हर, घर में नल लगे,
खूब चले कारोबार।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4 हैण्डपम्प

पानी किसी जमीन के नीचे,
जितना पाया जाता है।
उतना पाइप जोड़-जोड़कर,
जमीन में लगाया जाता है।।

पाइप में नीचे जाली लगती,
ऊपर हैण्डपम्प मशीन लगे।
हत्थे के दबाव से पानी खिंचे,
नल के मुँह से पानी निकले।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1

प्रिंटिंग प्रेस

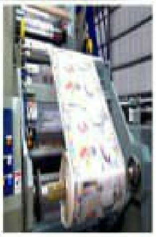

जर्मनी देश का हुआ नाम,
गुटेनबर्ग ने किया बड़ा काम।
प्रिटिंग प्रेस का किया अविष्कार,
छपाई मे हुआ बड़ा चमत्कार।।

छपाई ने तो एक क्रांति लायी,
तकनीकी की गुणवत्ता बढ़ाई।
संचार की दुनिया मे किया कमाल,
गुटेनबर्ग को करते है सब सलाम।।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2

साईकिल

पापा जी ने साइकिल दिलाई,
बैठकर स्कूल में जल्दी आई।
सभी ने मेरे लिए ताली बजाई,
सभी ने खूब दी बधाई।।

मुझे साइकलिंग करना,
बहुत अच्छा लगता है।
शरीर की मांसपेशियां,
मजबूत होकर स्वस्थ रहता है।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3

कम्प्यूटर

विज्ञान की यह खोज,
जिसने जीवन सरल बनाया।
चार्ल्स बैबेज की यह खोज,
जिसका नाम कम्प्यूटर कहलाया।।

तरह-तरह के काम,
झट से यह कर देता।
पढ़ाई में भी आता काम,
संदेश भी इससे भेजा जाता।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

हवाई जहाज

हवाई सफर हुआ आसान,
देश विदेश घूमे हर इंसान।
विज्ञान अविष्कार की देन,
कहते भी हैं इसे ऐरोप्लेन।।

राईट ब्रदर्स ने इसे बनाया,
आकाश में घूमना सिखलाया।
पल में हमें स्थान तक पहुंचाए,
हवाई अड्डे से इसमें बैठ जाएं।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

कूलर

गर्मी के मौसम में सबका,
जब हाल बुरा हो जाता है।
गर्मी में तब ठंडक देता,
कूलर सबको भाता है।।

तीनों तरफ खस के पर्दा,
सामने पंखा होता है।
पानी भर कर इसके अंदर,
चैन से व्यक्ति सोता है।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2

पंखा

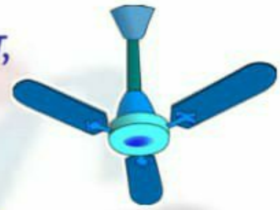

विद्युत चालक होता पंखा,
गर्मी से वह हमें बचाता ।
सर सर सर सर जब वो चलता,
सारा पसीना वो दूर भागता।।

टेबल फैन या सीलिंग फैन,
दो मुख्य रूप में होता है उपयोग,
फिलिम एच डाइहली ने पेटेंट कराया,
तब हम सब इसका करतें हैं प्रयोग।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3

विद्युत बल्ब

दुनिया को दिया उजाला,
अल्वा एडिसन ने कर डाला।
17 बार फेल हुए थे वो
सफल होगें, हट कर डाला।।

घर, बाहर रोशन कर जाये,
बल्ब जलाते ही रोशनी आये।
अंधेरे को यह दूर भगाये,
जीवन सबका सरल बनाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4

फ्रिज

फ्रिज घरों में बर्फ जमाने के,
अक्सर है आता काम।
खाने को खराब होने से भी,
बचाना है इसका काम।।

जब गर्मी याद दिलाती नानी,
देता ये ठण्डा ठण्डा पानी।
रेफ्रिजरेटर खोज संसार में,
जैकब पर्किन्स की जाती मानी।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

मोबाइल

मोबाइल है एक अनोखा,
आविष्कार विज्ञान का।
सारी बातें पूछो इससे
यह भण्डार है ज्ञान का।।

घड़ी के सारे काम में करता,
अन्धेरे में टॉर्च जलाता।
दूर विदेश में बैठे अपने,
रिश्तेदार से बात कराता।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

रेडियो

विज्ञान के आविष्कारों में,
रेडियो एक खोज महान।
मनोरंजन के साधन में,
रेडियो का विशेष स्थान।।

मारकोनी की खोज से,
रेडियो का जन्म हुआ।
समाचारों के प्रसारण से,
सबको बहुत लाभ हुआ।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

टेलीविजन

टेलीविजन विज्ञान का एक,
महत्वपूर्ण आविष्कार है।
टेलीविजन से ज्ञान और,
मनोरंजन का होता प्रसार है।।

बच्चों को टेलीविजन,
बहुत पसन्द आता है।
टेलीविजन सभी के,
ज्ञान को खूब बढ़ाता है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

वायुयान

आकाश में उड़ते कैसे पंछी ?
मानव ने किया यह ध्यान।
बनाया सूझ-बूझ से खोज,
आकाश मार्ग का वायुयान।।

दूर-दूर की सैर कराता,
सफर को करता है आसान।
आकार मे होता छोटा-बड़ा,
आकाश मे भरता है उड़ान।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

13.01.2024

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

मिशन शिक्षण संवाद

1

कुकर

सीटी देकर ज्ञान कराता,
भोजन जल्दी ही पक जाता।
ईंधन की होती है बचत,
जल की होती कम ही खपत।।

कुकर से समय है बचता,
भोजन लाजवाब है पकता।
कुकर की तो बात निराली,
सज जाती है इससे थाली।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट पू० मा० वि० खजनी
गोरखपुर

2

मिक्सी

पप्पू बोला मां से घर आकर,
चाची लायी बाजार से मिक्सर।
झटपट पीसने का करती काम,
काम हुआ अब बहुत आसान।।

चटनी, मसाला पीसती मिक्सर,
दाल पीस मुंगौड़े आए तलकर।
मम्मी तुम भी लाओ मिक्सर,
बड़े, कचौड़ी बनाओ अक्सर।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3

डिश वॉशर

मम्मी दिनभर करती काम,
मिलता नही उसे आराम।
पापा ने डिशवाशर मँगवाया,
डिशवाशर सबके मन को भाया।।

मम्मी का सब हाथ बटाते,
खेल-खेल में बर्तन धुल जाते।
बर्तन धोना हुआ आसान,
डिशवाशर आया बहुत काम।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

चॉपर

सब्जी कटती है आसानी से,
चॉपर चलता है आसानी से।
चार ब्लेड इसमें होते हैं,
जो तेज धार वाले होते हैं।।

हाथ से भी यह चलता है,
बिजली से भी काम करता है।
आसानी से सफाई इसकी होती है,
सूखी धुलाई भी इसकी होती है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1

कार

चार पहियों की होती कार,
सबके मन को भाती कार।
सी० एन० जी०, पेट्रोल, डीजल,
तीनों चीज से चलती कार।।

यात्रा कराती अति आसान,
सबकी होती इसमें शान।
सात सीट वाली भी होती,
पाँच सीट की भी हों कार।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2

साइकिल

दो पहिया का सस्ता वाहन,
प्रदूषण नहीं फैलाती है।
हों अमीर या गरीब, साइकिल,
काम सभी के आती है।।

मैकमिलन ने किया आविष्कार,
अनेक रूप बदले इसने।
अनेक रूप, रंग, आकार का,
बाजार सजा दिया इसने।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

घड़ी

एक से बारह तक है बजाती,
तीन सुइयों से समय बताती।
कभी न रुकती, चलती रहती,
चलने को हमसे भी कहती।।

घड़ी या क्रोनोमीटर बताती,
समय की छोटी-बड़ी इकाई।
सुन्दर लगती कितनी ये सब!
दीवार, अलार्म और घड़ी कलाई।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4

रेडियो

श्रव्य यन्त्र है सरल रेडियो,
जो भी टी० वी० पर लखते।
वही देखते हम सब इसमें,
ज्ञान समस्त प्राप्त करते।।

देश-विदेशों की खबरें अरु,
साहित्य, कला, संगीत भण्डार।
नाटक, लोकगीत सुनते हम,
शिक्षा का हो यहाँ प्रसार।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

बाल साहित्य सृजन

1 दवा

जब भी हम होते बीमार,
रोगों से हम जाते हार।
तब डॉक्टर के पास जाते,
हर रोग का इलाज पाते।।

डॉक्टर देते हमें दवाई,
माँ ने प्यार से हमें खिलायी।
डॉक्टरी सलाह से दवा खाना,
वरना पड़ सकता पछताना।।

रचना
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ०प्रा०वि० जारी भाग- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2 थर्मामीटर

हमको जब बुखार आता,
शरीर का ताप, नापा जाता।
तब डॉक्टर थर्मामीटर लगाता,
सही ताप का पता चल जाता।।

डेनियल गैबरियेल फारेनहाइट ने,
थर्मामीटर का अविष्कार किया।
विज्ञान के इस अविष्कार ने,
इलाज को आसान किया।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

3 इन्जेक्शन

स्वस्थ करने को जब डॉक्टर,
कई दवाओं की मात्रा मिलाते।
द्रव, रूप में सूई से सिरंज में,
भरकर सही मात्रा लगाते।।

डॉक्टर बाजू या कूल्हे की,
माँसपेशियों में इसे लगाते हैं।
रोंगों से बचाने को इन्जेक्शन,
नसों में भी लगाये जाते हैं।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4 एक्स-रे

एक चुम्बकीय विकिरण,
जो एक्स-रे है कहलाता।
मानव शरीर के अंगों को,
पारदर्शी है बनता।।

रोग का पता लगाकर,
उपचार में सहयोग करता।
चिकित्सा के क्षेत्र में,
प्रमुख स्थान है रखता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

बाल साहित्य सृजन

1

ओवन

पर्सी स्पेंसर द्वारा निर्मित,
ओवन रसोई में सुसज्जित।
खाना झटपट तैयार गर्म,
केक भी बनता नरम-नरम।।

बिजली से यह देखो चलता,
सबकी जरूरत पूरा करता।
पॉपकॉर्न मैं खूब मज़े से खाता,
ओवन से भईया जब इसे बनाता।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

रेफ्रिजरेटर

वस्तुओं को ठण्डा रखता,
खराब होने से उन्हें बचाता।
बर्फ का भण्डार इसमें होता,
रेफ्रिजरेटर यह कहलाता।।

आइसक्रीम झट जमा देता,
पानी को भी बर्फ में बदल देता।
बिजली से यह चलाया जाता,
हम सबके बहुत काम आता।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

मिक्सर

मिक्सर का हुआ अविष्कार,
रसोई के लिए एक चमत्कार।
झट से चटनी,जूस भी तैय्यार,
जाता ना समय इससे बेकार।।

मसाले पिसना इससे आसान,
पहले इस काम मे होती थकान।
अमेरिकन रूफस का है कमाल,
हम सब करते है उनको सलाम।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

आयरन

गरम-गरम आयरन को करके,
कपड़ों को प्रेस किया जाता है।
पहनकर प्रेस करके कपड़े,
व्यक्ति का बढ़िया लुक आ जाता है।।

आयरन कोयले से भी गर्म होती है,
और बिजली से भी होती है।
अब तो घर-घर परिवार में,
अधिकतर उपलब्ध होती है।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • **मिशन शिक्षण संवाद** • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

18/01/2024 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 फेसबुक

एक निःशुल्क नेटवर्किंग सेवा,
फेसबुक कहलाती है।
मित्रों, परिवारों, परिचितों को,
आपस में जुड़वाती है।।

नेता हो या पॉप स्टार,
सबके बारे में बताता है।
फोटो, वीडियो या गतिविधियां,
व्यक्ति इस पर शेयर कर पाता है।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 गूगल

लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन द्वारा,
स्थापित किया गया गूगल।
दुनिया की हर प्रकार की,
सारी जानकारी देता गूगल।

संयुक्त राज्य अमेरिका में,
मुख्यालय है, गूगल का।
देश विदेश हर जगह,
नाम प्रचलित है, गूगल का।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 प्रिंटिंग प्रेस

किताब, पत्रिका, या हो अखबार,
प्रिंटिंग प्रेस से होता, सब तैयार।
छपाई के क्षेत्र में हुआ चमत्कार,
गुटनबर्ग ने किया यह सकार।।

छपाई से दुनिया में मचा हलचल,
तकनीकी और गुणवत्ता को मिला बाल।
नित-नये आयाम है होते इससे साकार,
वैज्ञानिक आविष्कार के मिले बिचार।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 यू ट्यूब

किसी भी जानकारी को,
विडियो रूप में दर्शाता है।
सोशल मीडिया का फॉर्मेट,
यू ट्यूब कहलाता है।।

स्टीव चैन,चैड हर्ले, जावेद,
तीनों का है ये आइडिया।
किसी भी जानकारी का,
रास्ता आसान कर दिया।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

19/01/2024

बाल साहित्य सृजन

शुक्रवार

1

स्कूटर

दुनिया में विज्ञान का यह,
है उपयोगी आविष्कार।
दो पहिए का स्कूटर,
चलता है सारा संसार।।

होता है सुरक्षित यह,
चलाने में है बहुत आसान।
जन-जन का वाहन बनकर,
इसे मिल गई है पहचान।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

विद्युत बल्ब

थामस एल्वा एडीसन ने,
खोजा विद्युत बल्ब को।
बल्ब के आविष्कार ने,
बदला मानव जीवन को।।

आर्गन गैस होती इसमें,
टंगस्टन का तार होता।
रोशनी करता हर घर में,
काँच का यह बना होता।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

विज्ञान के आविष्कार

विज्ञान के आविष्कार देख,
हम अचरज में पड़ जाते हैं।
बैठे-बैठे लम्बी दूरी हम,
मिनट में तय कर जाते हैं।।

विज्ञान से हमारे जीवन में,
बहुत परिवर्तन आया है।
नित हो रहे आविष्कारों ने,
हम सबको लाभ पहुँचाया है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

स्टेथोस्कोप

स्टेथोस्कोप एक ध्वनि यन्त्र,
रेते लैनेक ने 1818 मे बनाया।
चिकित्सा जगत का यह,
महत्वपूर्ण उपकरण कहलाया।।

रक्त परिसंचरण का परीक्षण,
डॉक्टर ध्वनि सुनकर करता है।
आंतरिक अंगो की जाँच कर,
मरीज का इलाज शुरू करता है।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

20.01.2024

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

कार

कार है मेरा बहुत निराला,
लाल सुनहरा या हो काला।
इसकी तो अद्भुत है शान,
घूमे इससे सकल जहान।।

कार करे सपने साकार,
इसके बिन जीवन बेकार।
इससे राम नगरिया जाऊंगा,
घूम–घाम कर आऊंगा।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
क०पू० मा० वि० खजनी
(रूद्रपुर)गोरखपुर

2

जीप

जीप मेरी बहुत ही प्यारी,
हवा से बातें करने वाली।
बैठूं इसमें बढ़ती शान,
सैर कराये सकल जहान।।

पहली पसन्द है मेरी जीप,
सबसे प्यारी लगती जीप।
सफर आनन्ददायक होता,
बहुत निराली मेरी जीप।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा फतेहपुर

3

बस

सड़को पर दौड़ लगाती है बस,
मंज़िल पर पहुँचाती है बस।
विद्यालय ले जाने को भी,
प्रतिदिन आती जाती है बस।।

पापा की जब छुट्टी होती,
पापा को घर लाती है बस।
राहों में जब होता ट्रैफिक,
पों-पों हार्न बजाती है बस।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

ट्रक

यातायात का यह साधन है,
भारी सामान ढोने का वाहन है।
तेज दौड़ता है सड़कों पर,
हार्न तेज बजाता सड़कों पर।।

इंजन से चलती यह गाड़ी,
आकार में होती बहुत ही भारी।
ठेला, लारी भी इसको कहते हैं,
डीजल पेट में इसके भरते हैं।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1 सीडड्रिल

खेतों में जब होय सिंचाई,
धरती का गीलापन मिटता।
होय बखन्नी फिर ट्रैक्टर से,
फिर रोटावेटर चलता।।

रहते नमी रबी फसलों की,
करते समय बुआई हम।
ट्रैक्टर में सीडड्रिल लगाकर,
बोते बीज धरा में हम।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

2 ट्रैक्टर

आधुनिक कृषि उपयोग में,
महत्वपूर्ण उपकरण ट्रैक्टर।
कृषि सामान, ट्रॉली खींचता,
चार पहियों का होता ट्रैक्टर।।

खेत जोतने में काम आता,
आसानी से कृषि कार्य कराता।
फसलों को भी मण्डी पहुँचाता,
किसानों का साथी कहलाता।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3 रोटावेटर

ट्रैक्टर के संग काम है करता,
धन, समय और ऊर्जा बचाये।
मक्का, गेहूँ, गन्ने के अवशेष,
रोटावेटर खेतों से हटाये।।

मिट्टी को उपयोगी बनाता,
करता इसका स्वास्थ्य सुधार।
खास तरीके के ब्लेड इसके,
देते इसे मजबूत आकार।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4 कल्टीवेटर

खेतों में करनी हो निराई,
या फसलों की करें गुड़ाई।
मिट्टी को भुरभुरी बनाते,
कल्टीवेटर काम में लाते।।

छोटे-छोटे नुकीले खुरपे,
इस यन्त्र में लगे होते हैं।
जुताई-बुवाई के लिए भी,
कल्टीवेटर प्रयोग करते हैं।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

23-01-2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

सिलेण्डर

यह गैस की टंकी होती,
जो कहलाती गैस सिलेण्डर।
होता बन्द गोल, लोहे का,
भरते गैस जिसके अन्दर।।

रेग्यूलेटर लगा होता जो,
करता वह गैस नियन्त्रित।
रसोई घर में पाया जाता,
आधुनिक युग में प्रचलन।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

गैस-बर्नर

ईंधन-गैस के चूल्हे में,
गैस-सिलेण्डर से यह जलता।
भोजन पकता, सुविधा होती,
फ्लेम कम-ज्यादा हो सकता।।

बर्नर, छोटा-बड़ा चूल्हे में,
कई-कई, तरह-तरह के आते।
बड़े काम में हलवाई भी,
बर्नर बड़ा, भट्टी सा लगाते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ०प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3

इण्डेक्शन

हल्का-फुल्का होता इण्डेक्शन,
बहुत काम यह आता है।
आसानी से खाना बन जाता,
सुरक्षित यह माना जाता है।।

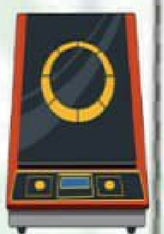

तीन प्रकार के होते इण्डेक्शन,
बिजली से यह चलता है।
न जलता, न चिपकता खाना,
इसमें न दूध उबलता है।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

4

हीटर

नाइक्रोम धातु की कुण्डली,
विद्युत हीटर में होती।
कमरे को सब करते गर्म,
जब भी सर्दी होती।।

खाना भी बनता हीटर में,
पर सावधानी जरूरी।
कारों में प्रयोग हो भरपूर,
ठण्ड से है रखता दूर।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०-जारी (भाग-1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

बाल साहित्य सृजन

1

गीजर

आजकल है सर्दी का मौसम,
छाया है कुहरा बड़ी है गलन।
ठंडे पानी से नहाना ना आसान,
गीजर देता है बड़ा आराम।।

झट से पानी गर्म हो जाता,
नहाने मे तो आराम मिलता।
सर्दी मे होता यह बड़ा उपयोग,
विज्ञान जगत का है यह प्रयोग।।

रचना
इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली,फतेहपुर।

2

ब्लोअर

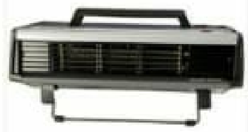

सर्दी का मौसम जब आता,
ठंडी- ठंडी ठिठरून लाता।
ब्लोअर को कमरे में लगाते,
गरम-गरम हवा को ले पाते।।

विज्ञान की यह खोज निराली,
सर्दी में यह काम आती।
जहां भी इसे लगाते हैं,
ठंड़ को दूर भगाते हैं।।

रचना
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

3

सोलर कुकर

सौर ऊर्जा का प्रयोग करके,
भोजन हम इसमें पकाते।
अनेक लाभ होते इसके,
सोलर कुकर इसे कहते।।

दाल-चावल इसमें बनाते,
बड़े चाव से हम खाते।
ईधन की बचत इसमें करते,
प्रदूषण को भी हम रोकते।।

रचना
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रानियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

एसी

गर्मी से राहत दिलाए,
हर कोई खींचा आए।
उमस भी करें दूर- दूर।
एसी भईया कूल-कूल।।

विलिस हैविलैंड करियर ने,
किया एसी का अविष्कार।
यह विज्ञान की है उपलब्धि,
जिसका आंनद लेता संसार।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

25/01/2024 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 टेलीफोन

ट्रिंग ट्रिंग बजती रिंग टोन,
ग्राहम बेल ने बनाया फोन।
चाहे दूर हो या हो पास,
कोई नहीं रहेगा मौन।।

दुनिया का हो कोई कोना,
बात करना हुआ सरल।
ग्राहम बेल टेलीफोन बनाकर,
अपने कार्य में हुए सफल।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 बल्ब

थॉमस अल्वा ऍडिसन ने,
बल्ब का अविष्कार किया।
विज्ञान के जगत में इन्होंने,
अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।।

विज्ञान की भाषा में बल्ब,
इन्कैंडिसेंट लैम्प कहलाता है।
आम बोलचाल की भाषा में यह,
शीश बत्ती या बल्ब कहलाता है।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 पेन

वाटर मैन की अनोखी देन,
विश्व को दिया फाउन्टेन पेन।
लेखन की दुनिया में किया धमाल,
विज्ञान के आविष्कार ने किया कमाल।।

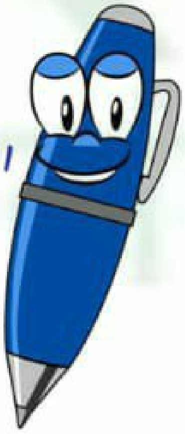

लिखना-पढ़ना हुआ आसान,
काम किया, तो पाया सम्मान।
नई-नई डिजाइन में आती है पेन
इतिहास कई लिख जाती है पेन।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 कैमरा

किसी भी पल को सहेजता,
कॉपी कर लेता है कैमरा।
यादों की पूरी अलमारी,
तस्वीरों से भर देता है कैमरा।।

जोसेफ निसोफर ने बनाया,
पहला फोटोग्राफिक कैमरा।
फिर स्टीवन सेसन ने बनाया,
नया डिजिटल कैमरा।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

26/01/2024 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 ए०सी०

विज्ञान के ये का आविष्कार,
हमें चकित कर जाते हैं।
ज्यादा गर्मी में जब कूलर,
और पंखे फेल हो जाते हैं।।

पसीने से हो जाते हैं तर,
तब हम ए०सी० चलाते हैं।
गर्मी को दूर करें तत्काल
वातावरण को ठंडा बनाते हैं।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2 एक्स-रे

हमारे आन्तरिक अंगों की,
जाँच करती यह मशीन।
शरीर के विभिन्न भागों की,
जानकारी देती एक्स-रे मशीन।।

एक्स-रे अध्ययन को,
रेडियोग्राफ कहा जाता।
शरीर की आन्तरिक बीमारियों का,
पता इससे लगाया जाता।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3 कूलर

तेज गर्मी के मौसम में,
जब हम परेशान हो जाते हैं।
गर्मी से राहत पाने को,
हम कूलर, ए०सी० चलाते हैं।।

विज्ञान के आविष्कार से,
सब सम्भव हो पाया है।
विज्ञान के नित चमत्कार से,
जीवन में परिवर्तन आया है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 कार

29 जनवरी सन 1886,
कार का हुआ अविष्कार।
गैस से वह चलती थी,
चार पहिया मोटर कार।।

धीरे-धीरे हुआ बदलाव,
पेट्रोल, डीजल से चलती।
पल में पहुँचाये मंजिल पर,
सड़कों पर फर्राटा भरती।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

27/01/2024 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

मोबाइल

मोबाइल की बात निराली,
सजी इससे जीवन की डाली।
रंग–बिरंगे चित्र दिखाता,
दुनिया भर की सैर कराता।।

गुगल ज्ञान का यहां खजाना,
यू ट्यूब से सुनते सब गाना।
व्हाट्सऐप का यहां चले है जादू,
ऑनलाइन पर मिले जमाना।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट पू०मा०वि० खजनी
(रूद्रपुर),गोरखपुर

2

रेडियो

पूरी दुनिया की खबर सुनाये,
रेडियो सबका मनोरंजन कराये।
जनसंचार क्षेत्र में आयी क्रांति,
आकाशवाणी समाचार सुनाये।।

मार्कोनी रेडियो के बने जनक,
बेतार के तार का कर उपयोग।
विज्ञापन रेडियो से हुआ प्रचार,
भारत में प्रथम है जनसंचार।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3

टेलीविजन

दुनिया भर की सैर कराती,
घर बैठे चलचित्र दिखाती।
विज्ञान का अद्भुद चमत्कार,
टीवी है मनोरंजन का आधार।।

समाचार की अजब कहानी,
दुनियां है जिसकी दीवानी।
ज्ञान के अवसर दिए हजार,
जे एल बेयर्ड का है अविष्कार।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

प्रोजेक्टर

प्रोजेक्टर के हैं कई नाम,
करता है यह बड़ा काम।
छवि प्रक्षेपित्र भी कहते हैं,
रंगीन किरणों इससे करते हैं।।

बड़ा पर्दा प्रयोग होता है,
रंगीन प्रकाश जिसमें पड़ता है।
1879 में अविष्कार इसका होता है ,
सफेद पर्दे पर बड़े चित्र बनाता है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
फतेहपुर

29/01/2024

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1 कुकर

भाप में बनता भोजन इसमें,
कुकर तो सीटी खूब बजाये।
ढक्कन बन्द कर भाप है बनती,
झटपट व्यंजन अजब बनाये।।

दाल या चावल, खिचड़ी, तहरी,
या स्वादिष्ट कोई पकवान।
प्रेशर कुकर मिनटों में पकाता,
रसोईघर में हो सम्मान।।

रचना-
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 फ्रिज

फ्रिज में जो भी चीजें रख दो,
वह शीतल हो जाती हैं।
नहीं खराब कभी होती हैं,
गर्मी में सबको भाती हैं।।

पानी, सब्जी, दूध, मिठाई,
ये शीतल, लायक होतीं।
सभी चाव से पीते कोल्डड्रिंक,
आइसक्रीम भी जम जाती।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

3 ओवन

बेक करना और ग्रिल करना,
पके हुए खाने को गर्म करना।
होते इसके मुख्य हैं काम,
ओवन कहते इसका नाम।।

बिजली से यह चलता है,
उचित तापमान पर गर्म करता।
होटल, घर, कारखानों में प्रयोग,
आसानी से होता उपयोग।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4 डिशवॉशर

किया विज्ञान ने सरल है काम,
हाथों को मिल गया आराम।
धोने हों बर्तन जब ज्यादा,
डिशवॉशर तब आता काम।।

बने होते है इसमें खाँचे,
जिसमे बर्तन हैं लग जाते।
विद्युत से हैं इसे चलाते,
फिर सारे बर्तन धुल जाते।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

30-01-2024

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

पैन-ड्राइव

यह पोर्टेबल, स्टोरेज, हल्का,
सुविधाजनक डिवाइस होता।
जिसका उपयोग डेटा को स्टोर,
और ट्रांसफर करने के लिए होता।।

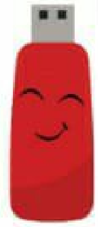

फ्लैश मैमोरी, टैक्नोलॉजी से,
डेटा को स्टोर करते हैं।
स्थाई आधार पर डेटा को,
पैन ड्राइव में संग्रहित रखते हैं।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2

मिक्सी

मिक्सी होती एक उपकरण,
जो इलेक्ट्रॉनिक है होती।
रसोई घर में काम आती,
खाद्य पदार्थ को मिलाती।।

मसाले पीसना, चटनी बनाना,
झट से काम यह करती।
समय की बचत है करती,
रसोई का मुख्य साधन कहलाती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3

लाइटर

कई प्रकार के होते लाइटर,
जिनमें एक सिगरेट सिमुलेटर।
एक से जलता गैस चूल्हा,
वह होता है गैस लाइटर।।

रंग-बिरंगे, छोटे-बड़े,
ज्वलनशील पदार्थ इनमें।
आन्तरिक दहन क्रिया से,
लौ निकलती है इनमें।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4

टोस्टर

बाजार जाकर ब्रेड ले, आओ,
उसको तुरन्त टोस्टर में लगाओ।
दोनों तरफ से वह सिक जाता,
खाने में स्वादिष्ट हो जाता।।

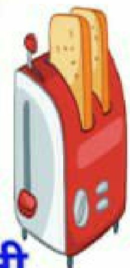

टोस्टर मशीन कई प्रकार की आती,
यह बिजली से भी चलायी जाती।
यह लोहा, ताँबा, अभ्रक से बनती,
रसोई के काम आसान है करती।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

31/01/2024

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

कूलर

रिचर्ड सी० लारामी कूलर,
के अविष्कारक कहलाते।
इसकी ठंडी हवा ले कर,
गर्मी को हम दूर भगाते।।

कई आकारों में यह बिकता,
छोटा- बड़ा हर घर में मिलता।
पानी भर बिजली से चलाओ,
स्विंग से हवा चहुं ओर पहुँचाओ।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

माइक्रोवेव

विभिन्न प्रकार ओवन के होते,
माइक्रोवेव भी जिसमें आते।
भोजन को गर्म करता,
स्वादिष्ट उसे यह बनाता।।

पके भोजन को झट गर्म करके,
समय हमारा यह बचाता।
बिजली का उपयोग करके,
माइक्रोवेव को चलाया जाता।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

वाशिंग मशीन

सर्दी का मौसम आया,
गलन और ठंडक लाया।
कपड़े धोने की बारी आती,
सबको सर्दी खूब सताती।।

कपड़े धोना हुआ बहुत आसान,
वाशिंग मशीन का आया ध्यान।
झट से सारे कपड़े धुल जाते,
सर्दी खाने से हम सब बच जाते।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

सिलाई मशीन

विज्ञान की है बड़ी खोज,
हमारी सिलाई मशीन।
कई प्रकार की यह होती,
कुछ सस्ती कुछ महंगी होती।।

हाथ से और पैरों से भी चलती,
सुई धागे को लेकर आगे बढ़ती।
बैग,चादर रजाई को सिलती,
सुंदर-सुंदर कपड़े भी सिलती।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

3- नवीन पोरवाल, औरैया

संकलन- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। #9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- शिखा वर्मा, सीतापुर
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- जुगल किशोर, झाँसी
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम